शेकर लड़का

मैरी रे

कालेब अभी यह भी तय नहीं कर पा रहा था कि क्या वो शेकर्स को पसंद करता था, या नहीं, तभी उसने एक छोटा सा गीत सुना... लेकिन वहाँ कोई भी गा नहीं रहा था. एक भाई ने कहा कि शायद कोई स्वर्गदूत उसे गा रहा हो.

जब माँ ने उसे शेकर्स के पास परवरिश के लिए छोड़ा, तो कालेब को अचानक पता चला कि उसके 141 भाई और 138 बहनें थीं. कालेब जब स्कूल और रविवार की मीटिंग में गया तो उसे "शेकर" नाम कहाँ से आया उसका पता चला. बड़ा होने के बाद कालेब एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करने लगा. उस समय उसने अपने बचपन में सुने गीतों को एक पुस्तक में लिखा. लेकिन बहुत बाद में जब वो सेब के बाग का इंचार्ज बना तब उसने गाने वाले पेड़ को देखा. उसके बाद ही कालेब स्वर्गदूतों को देख पाया.

लेखक का नोट

धार्मिक समुदाय "शेकर" का प्रयोग इंग्लैंड में शुरू हुआ था. 1774 में तीर्थयात्रियों का एक छोटा समूह और उसके संस्थापक, एन ली (1736-84) द्वारा वो अमेरिका पहुंचा. उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक, न्यू-इंग्लैंड और न्यूयॉर्क में ग्यारह शेकर गांव थे, और पश्चिम में सात अन्य. फिर धीरे-धीरे सदस्यता में गिरावट आई. शेकर्स का एकमात्र जीवित समुदाय सैबथ लेक मेन में है. हालाँकि, कैंटरबरी, न्यू-हैम्पशायर सहित शेकर्स के कई गाँव अब संग्रहालय के रूप में खुले हैं.

शेकर्स के बारे में बहुत कुछ प्रगितिशील था. ऐसे समय में जब अमेरिका में महिलाओं के पास बहुत कम ही कानूनी अधिकार थे, शेकर्स पुरुषों और महिलाओं के साथ समान व्यवहार करते थे. हरेक पुरुष अधिकारी के लिए, एक महिला अधिकारी भी होती थी, और समुदाय में सभी निर्णय पुरुष और महिला दोनों मिलकर लेते थे. संपत्ति का स्वामित्व समुदाय के सदस्यों पास संयुक्त रूप से होता था, और सभी जिम्मेदारियों को आपस में बांटा जाता था. शेकर्स हरेक सरल कार्य में भी अपने समय और प्रतिभा को बेहतर बनाने की कोशिश करते थे जिससे वो सबसे उपयोगी सिद्ध हों. वो काम को पूजा मानते थे.

हालाँकि शेकर्स ने बाकी दुनिया से अलग रहने का विकल्प चुना, लेकिन वे अपने काल के सबसे प्रगतिशील लोगों में से एक थे. वे हमेशा बेहतर तरीकों की तलाश करते थे. उन्होंने खेती, निर्माण और बिक्री की उन्नत प्रणालियों के साथ प्रयोग किया. वे इसलिए भी प्रगितिशील थे क्योंकि उन्होंने सभी नस्लों और राष्ट्रीयताओं का स्वागत किया. शेकर्स ने दया, उदारता और शांति की शिक्षा दी. उनके सदस्यों ने सादगी और कम साधनों से अपना जीवन जिया. यद्यपि उनका जीवन, बाहरी लोगों को सख्त और कठिन दिखाई पड़ता था, लेकिन उनके जीवन में बहुत खुशी और सुंदरता भी थी.

शेकर समुदाय में विवाह की अनुमति नहीं थी. लेकिन शेकर्स को बच्चों से गहरा प्यार था और अगर किसी भी बालक को घर की ज़रूरत होती तो वे खुलेदिल उसे अपनाते थे. जब वे बड़े हुए, तो कुछ बच्चे बाहरी "दुनिया“ में लौट गए लेकिन कई अपने शेकर परिवारों के साथ ही रहे.
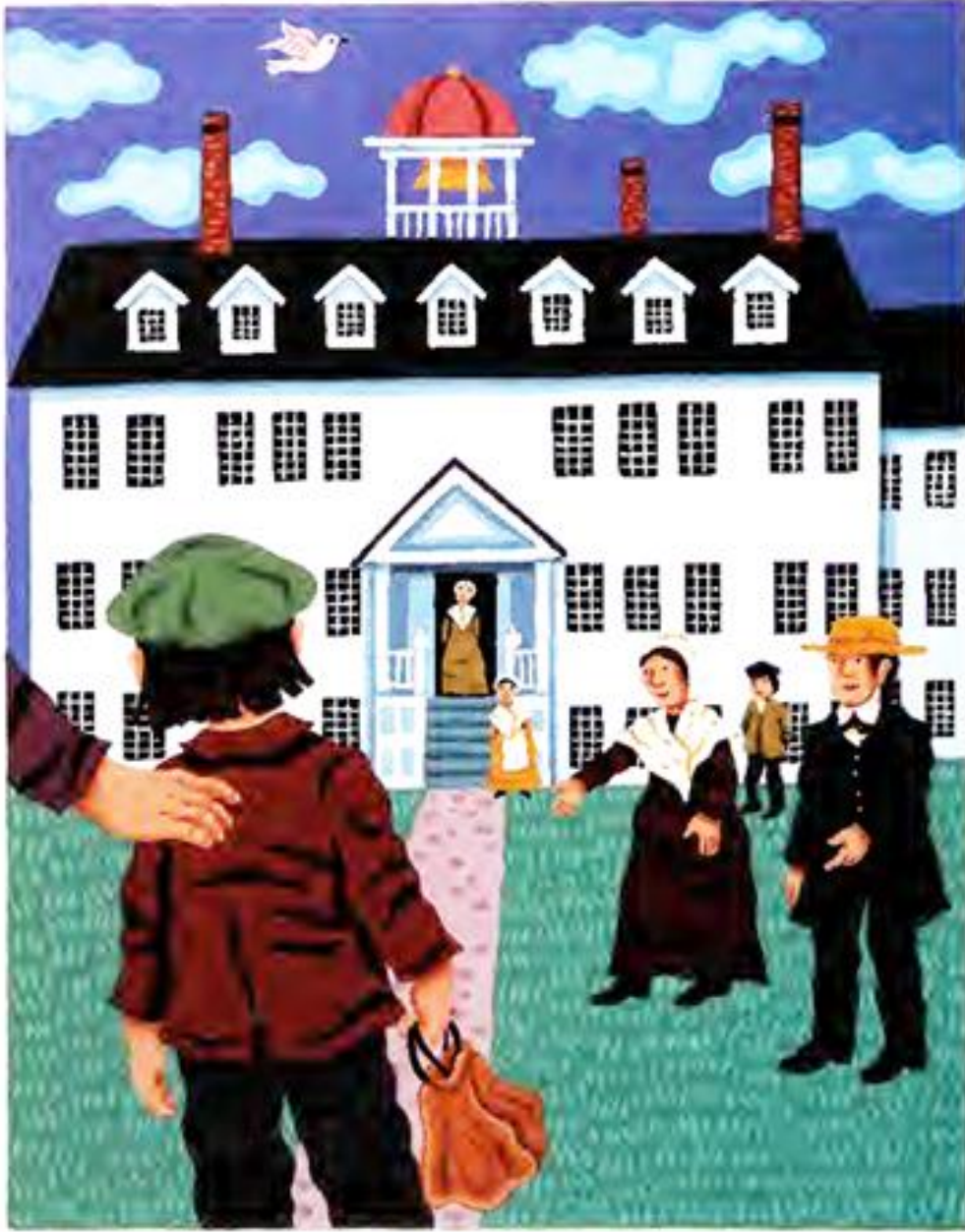
जब कालेब व्हिचर शेकर्स के साथ रहने के लिए आया, तो उसे अचानक 141 भाइयों और 138 बहनों का साथ मिला. उसने इस तरह का विशाल और असामान्य परिवार पहले कभी नहीं देखा था. उस घर में 162 कमरे थे. एक हिस्सा पुरुषों के लिए था; दूसरा हिस्सा महिलाओं के लिए था.

तेरह साल के होने तक बच्चे अलग घर में रहते थे. फिर वे "बड़े" घर में चले जाते थे.

उनके घर से परे अन्य बड़ी, चौकोर इमारतें थीं, और उसके परे केवल आकाश था. उनके गांव जैसी शांत अन्य कोई जगह नहीं थी. शेकर्स उसे पवित्र मैदान मानते थे क्योंकि उन के अनुसार स्वर्गदूत वहां से काफी निकट थे.

कालेब छह साल का था जब उसके पिता गृहयुद्ध में मारे गए. फिर उसकी मां ने अपना खेत बेच दिया और मिल में काम करने के लिए लोवेल चली गईं. लेकिन मिल एक लड़के के लिए ठीक जगह नहीं थी, इसलिए माँ कालेब को, हैम्पशायर न्यू-कैंटरबरी में, शेकर्स के पास छोड़ गईं.

शेकर्स, ईश्वर को अपना "पिता" मानते थे और एन नाम की महिला को "माँ" बुलाते थे. वे एक-जैसे कपड़े पहनते थे, एक जैसे पलंगों पर सोते थे, एक जैसी कुर्सियों पर सीधे बैठते थे. वे अपने सभी सामान को, समान रूप से साझा करते थे और सभी लोगों को, ईश्वर और माँ एन जैसे ही प्यार करते थे.
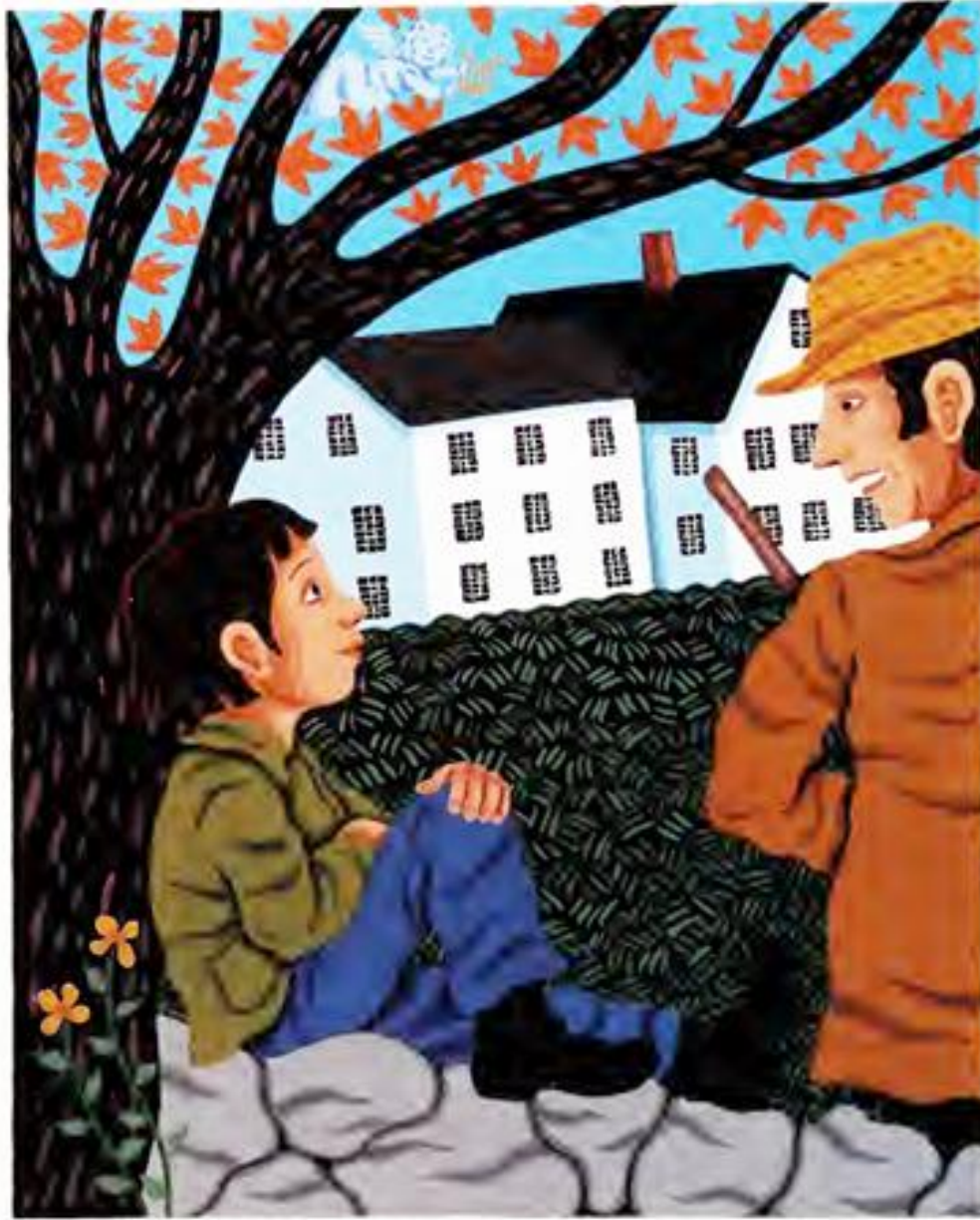
कालेब तय ही कर रहा था कि क्या उसे शेकर्स पसंद हैं, या नहीं जब उसने एक छोटा सा गाना सुना.

उसे इतना यकीन था कि उसने गाना सुना था, लेकिन वहां कोई भी गा नहीं रहा था. एक भाई ने कहा कि उसे कोई स्वर्गदूत गा रहा होगा.

कालेब को इस पर यकीन नहीं हुआ, लेकिन उसने देखा कि शेकर्स उसमें विश्वास करते थे. "अगर तुम माँ में यकीन करोगे, तो वो तुम्हें स्वर्गदूत ज़रूर दिखाएंगी," उन्होंने कहा.

पर वहां रहना इतना आसान नहीं था. शेकर्स ने लड़कों के लिए अप्राकृतिक नियम बनाए थे.

"वे कुर्सी पर बैठे हुए अपने तलवों को आराम के लिए कहीं टिका नहीं सकते थे, न ही आराम के लिए कुर्सी को पीछे झुका सकते थे."

"आदेश मानना स्वर्ग का पहला नियम है और उससे ही आत्मा का उद्धार होगा."

"सबको प्रभु के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए और जब बुलावा आए, तब चले जाना चाहिए."

लेकिन एक नियम था जो कालेब को पसंद आया. सभी बहनों और भाइयों से उम्मीद थी कि वो खाने में उन्हें जो कुछ भी परोसा जाए उसे वो खाएं और कुछ भी भोजन बर्बाद न करें.

एप्पल पाई मिठाई लगभग हर रोज़ भोजन में मिलती थी शायद इसलिए कालेब को अपनी प्लेट हिलाना कोई बोझ नहीं लगता था.

जब कालेब ने रविवार की बैठक में भाग लिया, तो उसे यह पता चला कि शेकर नाम कहाँ से आया था. थोड़ी देर के लिए सभी भाई-बहन एकदम स्थिर और शांत बैठे रहे और फिर अचानक.....

.....वे खड़े हुए और हिलने लगे. "पुरानी बदसूरत चीज़ों को हिलाकर बाहर फेंको," उन्होंने कहा. फिर उन्होंने नृत्य करना शुरू किया, क्योंकि अब वे स्वतंत्र थे और खुद को हल्का महसूस कर रहे थे.

आमतौर पर वे मीटिंग हाउस में मिलते थे. लेकिन कभी-कभी वे जंगल में उस स्थान पर भी जाते थे, जिसे वे विशेष रूप से पवित्र मानते थे.

संगीत के लिए वे गीत गाते थे. उन्हें देखकर कालेब को मई में सेब के खिलते फूलों पर मधुमक्खियों की याद आती थी.

कभी-कभी बैठक में, कालेब और बच्चों को काल्पनिक खिलौने दिए जाते थे. कालेब ने गेंदों, नावों, तुहरी और ड्रमों की कल्पना की. प्रत्येक कल्पना के साथ एक छोटा गीत भी जुड़ा होता था.

शेकर्स का असली खिलौनों में विश्वास नहीं था. लेकिन वे स्कूल को बहुत ज़रूरी मानते थे.

लड़कियों के लिए गर्मियों में तीन महीने के लिए, और लड़कों के लिए सर्दियों में तीन महीने तक कक्षाएं चलती थीं.

कालेब ने भारत में हाथियों के बारे में पढ़ते हुए बाहर बर्फ गिरते हुए देखी. उसने जो भी सीखा, उसमें से अधिकांश उसने स्कूल के बाहर ही सीखा.

जब सुबह अँधेरा होता, तो बड़े घर की घंटी बजती थी, जो शेकर्स को काम करने के लिए बुलाती थी. सभी को कुछ काम करना होता था, सबसे छोटे लोग, छोटे काम करते. कालेब मुर्गीघर में जाकर अंडे इकट्ठे करता था. रसोई में बहनों को नाश्ते के लिए रोज़ाना 280 अंडों की जरूरत होती थी.

फिर वो मुर्गियों को चुग्गा खिलाता और पानी पिलाता और उन्हें परियों का एक गीत सुनाता.

पूरे दिन, पूरे साल, कालेब, भाइयों की मदद करता था. कारखानों, दुकानों और खलिहानों के बीच हमेशा ही कुछ-न-कुछ काम बाकी रहता था.

जब वो कुछ बड़ा हुआ और उसके हाथ भी कुछ बड़े हुए तो कालेब ने बूढ़ी गाय ज्वेल का दूध दूना सीखा. आठ साल से बड़े हरेक लड़के को, खलिहान में एक गाय की देखभाल करनी होती थी.

झाड़ुओं की दुकान में कालेब ने चपटी झाड़ुयें बनाना सीखीं. उनका आविष्कार शेकर्स ने खुद किया था. एक सर्दियों के मौसम में उसने 2,620 झाड़ुएँ बनाईं.

जब उसने मिल में काम किया, तो हैंडल घुमाते हुए, वो अपनी ठुड्डी पर लकड़ी की छीलन को लंबी दाढ़ी जैसे रखता था, और फिर वो एक बूढ़े आदमी होने का नाटक करता था.

एक बार स्वर्गदूत ने उसे झाड़ू का गीत सिखाया.

कभी-कभी कालेब सवारी करके कोन्कोर्ड और लाकोनिया जाता था. वो वहां झाड़ू और भाइयों द्वारा बिक्री के लिए अन्य चीज़ें देने जाता था.

कभी वो मोज़े बुनता था, या टिन की दुकान में कॉफ़ीपॉट और दूध के बर्तनों की मरम्मत में मदद करता था.

"जब आप एक इंच बढ़ते हैं, तो आपमें एक और प्रतिभा बढ़ती है," भाई एल्डर हेनरी ने उसे बताया.

सर्दियां बीतने के बाद रातें ठंडी रहीं लेकिन दिन गर्म होने लगे. मेपल के पेड़ों में शक्कर का रस बहने लगा और फिर मेपल-चीनी बनाने का काम शुरू हुआ. तब लड़कों ने पेड़ों पर बाल्टी लगाईं और उनके भरने का इंतज़ार किया. वो अब घर से दूर शिविर में ही रात का भोजन खाते और वहीं पर रात बिताते थे.

मेपल के रस को पकाकर चाशनी बनाई जाती थी और फिर चाशनी को पकाकर चीनी बनाई जाती थी. जब कुछ लोग चाशनी को उबालते थे और बाकी सोते थे. लेकिन लड़कों को उस दौरान बिल्कुल भी नींद नहीं आती थी.

झिलमिलाते आग के अंगारों में केवल कालेब को गीत सुनाई देते थे.

मेपल की चीनी बनाने के बाद सब भाई खेत जोतने की तैयारी करते थे. कालेब को अक्सर पत्थर चुनना पड़ते थे. पर उस काम में उसे बिल्कुल भी मज़ा नहीं आता था.

"तुम्हें उन पत्थरों का सम्मान करना चाहिए," भाई ओटिस ने कहा. उन्होंने लम्बी पत्थरों की एक दीवारें बनाई. "देखो, हर चीज़ की एक जगह होती है." लेकिन कालेब ने देखा कि स्वर्गदूतों ने कभी पत्थर के गीत नहीं गाए.

गर्मी का समय था चीज़ों के बढ़ने का. वो एक अच्छा समय था लंबी घास में बूढ़ी गाय ज्वेल को चराने लेकर जाने का.
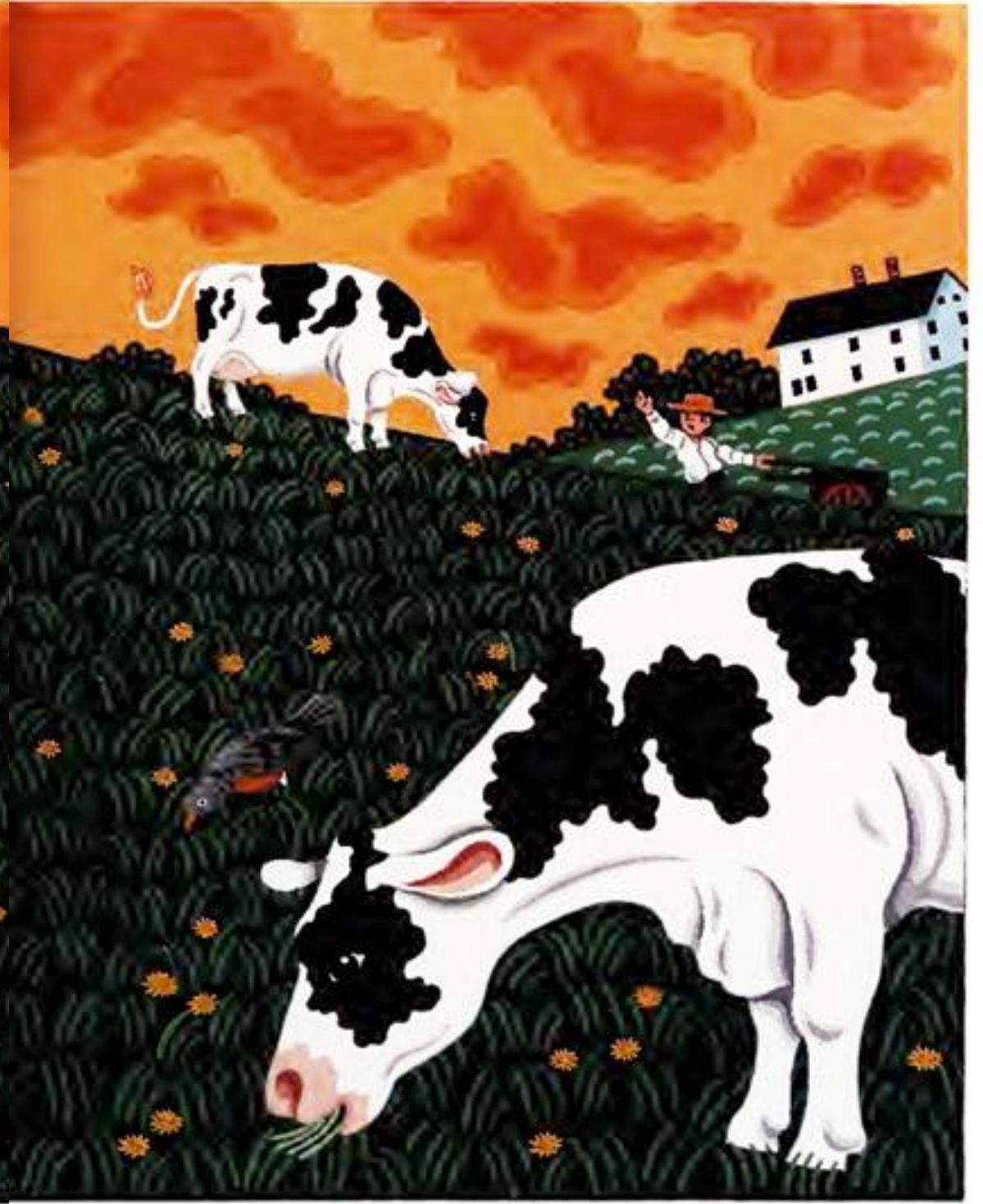
वहां ऐसे तमाम काम थे जिनके लिए एक लड़के की ज़रुरत थी.
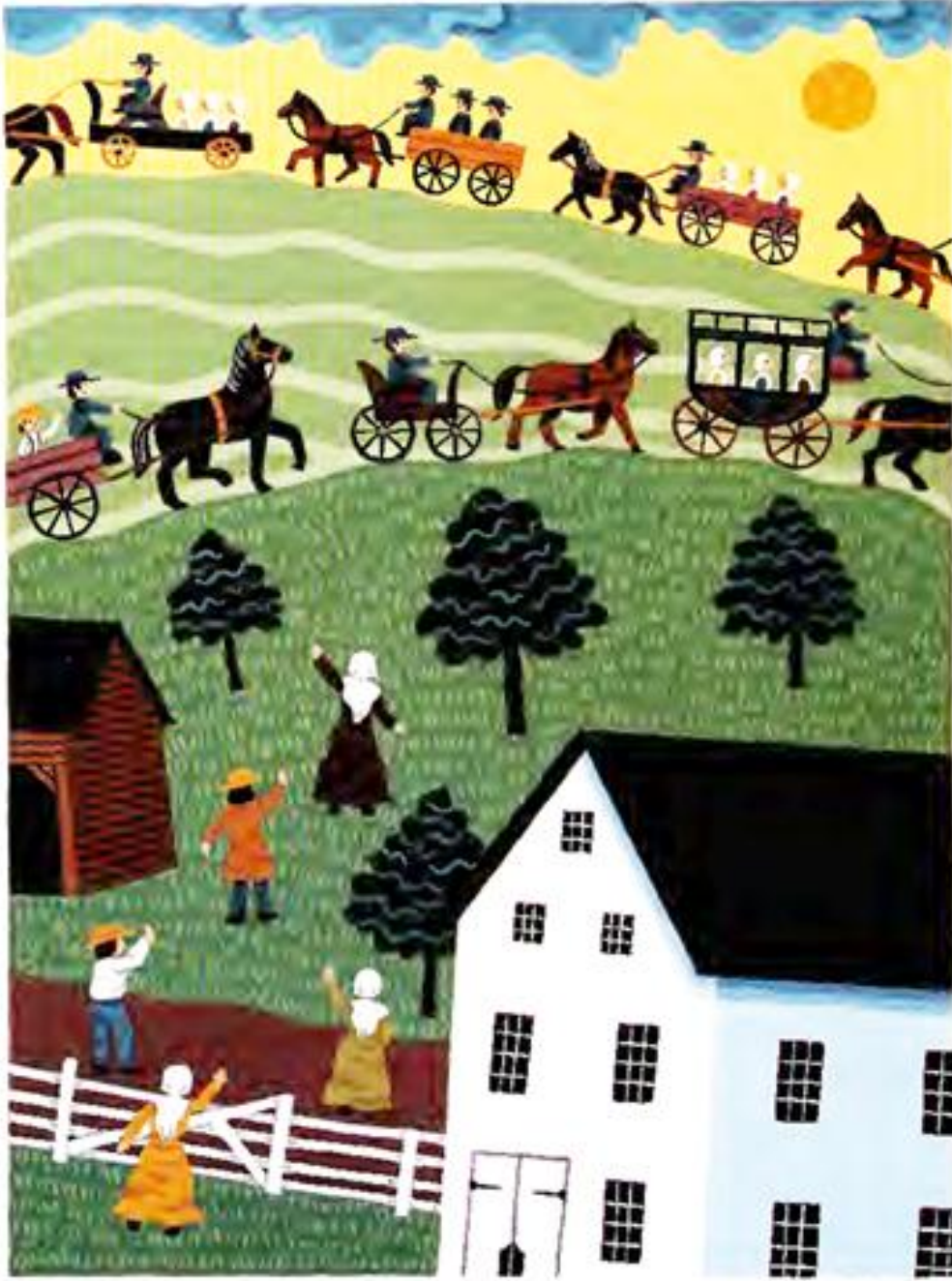
एक वर्ष स्टीमर "लेडी ऑफ द लेक" के कप्तान ने सभी शेकर्स को नदी विन्निपसाउकी पर छुट्टी के लिए आमंत्रित किया. निमंत्रण स्वीकार कर लिया गया. फिर परिवार ने हर तरह के वाहन परिवहन को यात्रा के लिए आरक्षित किया. फिर भी सब लोग यात्रा पर नहीं जा सके.

बहुत जल्द, दलदल में मेपल के पत्ते लाल हो गए. अब गर्मियों की आखिरी कटाई का वक्त आ गया था.

कुछ दिनों तक कालेब और दूसरे छोटे लड़कों ने हवा के झोंकों से अनाज को उड़ाया. बड़े भाई काटी गई फसल को खलिहान में ले गए.

पुआल और अनाज को सुरक्षित रखने के बाद, फिर मक्का की कटाई की बारी आई. फिर आलू खुदाई करने और सेब तोड़ने, उन्हें स्टोर करने और उनका रस (साइडर) बनाने की बारी थी. पतझड़ के शुरू में ही कालेब और भाइयों ने अगले साल इस्तेमाल होने के लिए जलाऊ लकड़ी को काटना शुरू कर दिया.

बर्फ गिरने के के बाद वे कटे पेड़ों के तनों को खिसकाकर उन्हें आरा मशीन के पास ले आते, और उन्हें चूल्हे की लंबाई के अनुसार काटकर अलग रख देते. फिर लड़कों ने हर साल की तरह जलाऊ लकड़ी को भरते.

जब कालेब तेरह वर्ष का हुआ, फिर वो बड़े घर में शिफ्ट हुआ. उस रात उसने अपनी डायरी में लिखा: "मैं निश्चित रूप से धीरे-धीरे एक आदमी बनना शुरू हो रहा हूं."

प्रिंट-शॉप में कालेब ने टाइप-सेट करना सीखा. जब उसे खाली समय मिलता, तो वो बचपन में सुने गए गीतों को छापता. उसने उन गीतों की एक पुस्तक बनाई.

जब वो उन्नीस वर्ष का हुआ, तो कालेब को सेब के बाग का इंचार्ज बना दिया गया.

हर साल वो सेब रोपण, कटाई-छंटाई, तोड़ने और स्टोरिंग, सॉस और साइडर बनाने के काम की निगरानी करता था.

एक दिन भाई एल्डर हेनरी, कालेब के पास आए और उन्होंने उसे एक ऐसा पेड़ दिखाया जो उसने पहले कभी नहीं देखा था. जब हवा उसके पत्तों को हिलाती थी तो पेड़ गीत गाता था.

एल्डर हेनरी ने कालेब से कहा, "अब से तुम उस "गीत वाले पेड़" का ख्याल रखना और हमारे लिए सबसे सुंदर गीत इकट्ठे करना." फिर कालेब ने वैसा ही किया.

हर दिन कालेब बाग में जाता. कभी-कभी वो सेब तोड़ता.

और कभी-कभी वो गाने चुनता.

और जब वो एक बहुत बूढ़ा आदमी बना, तो उसने स्वर्गदूतों को खुद देखा.

समाप्त

The heav- ens are with us I know. [Rich] treas- ures like riv- ers do
flow. I feel all that's earth- ly is pass- ing a- way And I'm
tast- ing of glo- ries im- mor- tal. Bright An- gels a- round us do
hov- er. With heal- ing our wounds they would cov- er,
And they would waft, waft, waft our spir- its from toil and vex-
a- tion to live in their un- ion for- ev- er.